आध्यात्मिक ज्ञान से ही सही और गलत की होती पहचान

'विज़डम फॉर चेंजिंग टाइम्स' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन में व्यापार जगत से जुड़े 1500 लोगों ने भाग लिया

अगर हमें कुछ बदलना है, वो है हमारा विचार - ब्र.कु. शिवानी, पुण्य कर्म करना ही आशीर्वाद प्राप्त करना - ब्र.कु. बृजमोहन

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। संतुलित जीवन जीने के लिए आध्यात्मिक शक्ति बहुत ज़रूरी है। उक्त विचार हरियाणा सरकार के भूमि सुधार विकास निगम के अध्यक्ष **अजय गौड़** ने ब्रह्माकुमारीज़ के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में 'विज़डम फॉर चेंजिंग टाइम्स' विषय पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता से ही जीवन में श्रेष्ठ संस्कारों का समावेश होगा। हरियाणा सरकार के वित्तमंत्री **कैप्टन अभिमन्यु** ने कहा कि ज्ञान से ही सही और गलत का अंतर स्पष्ट होता है। ज्ञान से मानव का विवेक जागृत होता है। उन्होंने कहा कि व्यापार और उद्योग जगत के लोगों के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम बहुत ज़रूरी हैं। ऐसे कार्यक्रमों से सकारात्मक परिवर्तन आता है।

सम्मेलन में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. सुरेन्द्र, उद्योगपति आर.एन. ग्रोवर, अजय गौड़ तथा अन्य।

ब्रह्माकुमारीज़ की सुप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर **ब्र.कु. शिवानी** ने कहा कि आज दुनिया में जिस प्रकार की परिस्थितियाँ निर्मित हो रही हैं, इन सबका मूल कारण हम सब हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार के हमारे विचार होंगे, उसी प्रकार का वातावरण बनता है। अगर हमें कुछ बदलना है, तो सबसे पहले अपने विचारों को बदलना ज़रूरी है।

ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त सचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि व्यापार का मतलब होता है कमाई। कमाई तो हर व्यक्ति करता है, लेकिन एक कमाई है जो अल्पकाल की है और दूसरी कमाई है जो सदाकाल की है। उन्होंने कहा कि सच्चा धनवान व्यक्ति वो है जिसके पास ज्ञान, गुण एवं शक्तियों का खज़ाना है।

ओ.आर.सी. निदेशिका **ब्र.कु. आशा** ने कहा कि आज समय अनिश्चितताओं के दौर से गुज़र रहा है। किसी समय कैसी भी परिस्थिति आ सकती है। विपरीत परिस्थितियों में संतुलन बनाने के लिए हमें आध्यात्मिक शक्ति की परम आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कर्मयोग का बहुत महत्व है। कर्मयोग का अर्थ ही होता है कि हम कार्य करते हुए भी साक्षीभाव में स्थित रहें।

फरीदाबाद से आईं **ब्र.कु. उषा** ने सभी को राजयोग की गहन अनुभूति कराई। दिल्ली के उद्योगपति **आर.एन. ग्रोवर** ने सबका स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की तथा साथ ही उन्होंने अपने जीवन का अनुभव भी साझा किया। मुम्बई से आये ब्र.कु. हरीश मेहता ने संस्था का परिचय दिया तथा ब्र.कु. सुरेन्द्र ने सबका धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन मुम्बई से आईं वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. किरीना ने किया।

सुरक्षित बनाती है आज्ञाकारिता

दीप प्रज्वलित करते हुए अर्जुन दास, ब्र.कु. चित्रेखा, ब्र.कु. प्राची, ब्र.कु. नूतन व ब्र.कु. पूजा।

भिलाई नगर-छ.ग.। सुख शांति का आधार माँ-बाप की आज्ञा का पालन करना है। आज्ञाकारी मनुष्य का महत्व हर क्षेत्र में है। ले लो दुआएँ माँ-बाप की, सिर से उतरेगी गठरी पाप की। उक्त उद्गार ब्र.कु. चित्रेखा ने 'आओ गुणवान बनें' मासिक कार्यक्रम में व्यक्त किये। इस माह का गुण आज्ञाकारी था, जिसके अंतर्गत सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज्ञा का पालन करने पर हम जीवन भर निश्चिंत, सुरक्षित एवं विश्वास पात्र बन कर उनके दिल में जगह बना लेते हैं।

मुख्य अतिथि समाज सेवी एवं छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अर्जुन दास ने कहा कि आज्ञा का गुण भाई की तरह है, हमें आज्ञाकारी बन माता-पिता, गुरू एवं संतों की आज्ञा का पालन करना चाहिए, जिससे दुआओं का दरवाज़ा खुल जाता है। जहाँ अच्छा वातावरण है वहाँ स्वर्ग है।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. प्राची ने कहा कि आज्ञाकारी का अर्थ कहना मानना ही नहीं, वरन् सामने वाले की भावनाओं और आशाओं के प्रति क्रियाशील रहना है। आज्ञाकारिता का गुण हमें देवता बनाता है। ब्र.कु. नूतन ने कहा कि यदि हम परमात्मा से संबंध जोड़कर शक्तिशाली बनें तो गुणों से भरपूर हो जायेंगे। कार्यक्रम के दौरान सभी को राजयोग की गहन अनुभूति भी कराई गई। कार्यक्रम का सुंदर संचालन ब्र.कु. पूजा ने किया।

ब्रह्माकुमारी संस्थान् संस्कारों का परिवर्तन करने की रखता ताकत

पुष्पारानी दीदी की प्रथम पुण्य तिथि पर पुष्पांजलि

नागपुर-महा.। विश्व शांति सरोवर में पुष्पारानी दीदी के प्रथम पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए महाराष्ट्र राज्य ऊर्जा मंत्री एवं नागपुर के पालक मंत्री चन्द्रशेखर बावणकुळे ने कहा कि दीदी जी ने परमात्मा की श्रीमत पर चलते हुए दूसरों का जीवन मूल्यवान बनाने के लिए अपना जीवन दिया। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस संस्थान का कार्य परिवार, समाज तथा पूरे विश्व को मज़बूती प्रदान करने वाला है। यह मनुष्य के कुसंस्कारों को सुसंस्कार में परिवर्तन करने की ताकत रखता है। इस अवसर पर उन्होंने दीदी को श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

सांसद विकास महात्मे ने कहा कि पुष्पारानी दीदी के जीवन से हमें ये सीखने को मिलता है कि हमें परिस्थितियों से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि हिम्मत से आगे बढ़कर उसका सामना करना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ शक्तियों से सुसज्जित, महिला द्वारा संचालित विश्व में एकमात्र संस्थान है। स्वयं सेवक संघ के राजेश लोया ने कहा कि दीदीजी एक ऐसा फूल थीं जिन्होंने पूरे विदर्भ को खुशबू से भर दिया। अब उनसे गुण लेकर समाज की सच्ची सेवा करें, यही उनके लिए हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। रिटायर्ड हाईकोर्ट जस्टिस शेणडोण गांवकर ने कहा कि दीदी जी से मैं जब भी मिलता थी तो मुझमें एक असीम ऊर्जा का संचार होता था। उस ऊर्जा को मैं आज भी स्वयं में महसूस कर सकता हूँ। माउण्ट आबू से आये राजयोगी ब्र.कु. सूर्य ने कहा कि दीदी एक महान आत्मा थीं। उन्होंने दिल से सभी आत्माओं की सेवा की, और आज भी अव्यक्त रूप से वे हमें हमारे सुंदर जीवन के लिए शुभभावनाएँ तथा दुआएँ दे रही हैं। डॉ. दिलीप जीमसे ने कहा कि दीदी की दूरदृष्टि के परिणामस्वरूप इस विश्व शांति सरोवर की परिकल्पना का साकार रूप हम यहाँ देख रहे हैं।

पूर्व मंत्री विनोद गुडधे पाटील ने कहा कि किसानों की आत्महत्या रोकनी है तो ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाये जाने वाला मेडिटेशन कोर्स कराना चाहिए। समाज परिवर्तन के लिए ताकतवर होना ज़रूरी है, जिसके लिए ब्रह्माकुमारीज़ का राजयोग मेडिटेशन करना होगा। इसके साथ ही उन्होंने दीदीजी को स्नेहांजलि अर्पित की।

ब्र.कु. रमेश बहन ने कहा कि पुष्पारानी दीदी की वजह से ही हमारा पूरा परिवार इस संस्थान से जुड़ा। दीदीजी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि शांति सरोवर बनाने में तन, मन, धन, समय, श्वास, संकल्प से सेवा करें और परमात्मा के अवतरण का संदेश जन-जन तक पहुँचायें। इस अवसर पर माउण्ट आबू से ब्र.कु. देव ने भी दीदीजी की पुण्य स्मृति दिवस पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। मंच पर सबकी उपस्थिति में पुष्पारानी दीदी जी पर छपी डायरी का विमोचन किया गया। नागपुर क्षेत्र की संचालिका ब्र.कु. रजनी ने सबका आभार व्यक्त किया और अमरावती सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सीता ने मंच का कुशल संचालन किया।

ऊर्जा व पालक मंत्री चन्द्रशेखर बावणकुळे को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.रजनी व ब्र.कु. मनीषा।

कार्यक्रम के दौरान पुष्पारानी दीदी की स्मृतियों की 'पुष्पांजलि डायरी' का विमोचन करते हुए ब्र.कु. रजनी, ब्र.कु. रुक्मणि, ब्र.कु. सूर्य तथा शहर के प्रबुद्ध जन।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 13th May 2017